M.A. (History) (Part - II) (CBCS and Old Pattern) Third Semester Old+CBCS

MAHIS236-3 / MAHI316-3 - Economic History of India 1757-1857 Paper - III

P. Pages : 3 **GUG/W/18/10417**

Time : Three Hours * 2 6 3 2 * Max. Marks : 80

Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.

1. Discuss the nature of India's urban economy during the mid 18th Century. **16**

OR

Discuss the commercial policy of East India Company.

2. Examine the nature of the Ryotwari and Mahalwari land revenue systems and explain their effects. **16**

OR

Discuss the factors which led to commercialization of Indian agriculture.

3. Examine the nature and impact of De-Industrialization on Indian Industries. **16**

OR

Discuss the foreign capital Investment in India.

4. Explain the changing nature of India's external trade between 1800 to 1857. **16**

OR

Examine the effects of the company's rule on Indian handicraft.

5. Write notes on the following. **16**

a) Rural Economy.

b) Rural Indebtedness.

c) Write the two effects of Indian cotton Industry in company policy.

d) Cash crops.

****

M.A. (History) (Part - II) (CBCS and Old Pattern) Third Semester Old+CBCS

MAHIS236-3 / MAHI316-3 - Economic History of India 1757-1857 Paper - III

Time : Three Hours Max. Marks : 80

सूचना :- 1. सर्व प्रश्न आवश्यक आहेत.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. 18 व्या शतकाचा मध्यातील भारताच्या शहरी अर्थव्यवस्थेची चर्चा करा. 16

किंवा

ईस्ट इंडिया कंपनीच्या वाणिज्य धोरणाची चर्चा करा.

2. रयतवारी आणि महालवारी जमीन महसूल पध्दतींच्या स्वरूपाचे परीक्षण करून त्यांचे परिणाम स्पष्ट करा. 16

किंवा

भारतीय कृषीच्या व्यापारीकरणाला कारणीभूत झालेल्या बाबींची चर्चा करा.

3. भारतीय उद्योगधंद्यावर पडलेल्या अनुद्यौगिकरणाच्या स्वरूपाचे व प्रभावाचे परीक्षण करा. 16

किंवा

भारतात विदेशी भांडवल गुंतवणुकीची चर्चा करा.

4. 1800 ते 1857 या दरम्यानचे भारताच्या परदेशी व्यापाराचे बदलते स्वरूप स्पष्ट करा. 16

किंवा

भारतीय हस्तोद्योगावर कंपनी शासनाच्या झालेल्या परिणामांचे परीक्षण करा.

5. खालील विषयांवर टिपणे लिहा. 16

अ) ग्रामीण अर्थव्यवस्था.

ब) ग्रामीण कर्जबाजारीपणा.

क) कंपनी धोरणाचे भारतीय कापड उद्योगावरील दोन परिणाम लिहा.

ड) नगदी पिके.

****

M.A. (History) (Part - II) (CBCS and Old Pattern) Third Semester Old+CBCS

MAHIS236-3 / MAHI316-3 - Economic History of India 1757-1857 Paper - III

Time : Three Hours Max. Marks : 80

सूचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न हल कीजिये।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. 18 वी शताब्दी के मध्य में भारतीय शहरी अर्थव्यवस्था के स्वरूप की चर्चा कीजिये। 16

अथवा

ईस्ट इंडिया कंपनी की वाणिज्य नीति की चर्चा कीजिये।

2. रैयतवारी तथा महलवारी भू-राजस्व व्यवस्था के स्वरूप का परीक्षण कीजिए तथा उनके परिणाम स्पष्ट कीजिये। 16

अथवा

भारतीय कृषि के व्यापारीकरण के लिये उत्तरदायी कारकों की चर्चा कीजिये।

3. भारतीय उद्योगों पर हुये अनौद्योगीकरण के स्वरूप एवं उसके प्रभाव का परीक्षण कीजिये। 16

अथवा

भारत में विदेशी पूंजी निवेश पर चर्चा कीजिये।

4. सन 1800 से 1857 के बीच भारत के विदेशी व्यापार का बदलता स्वरूप स्पष्ट कीजिये। 16

अथवा

भारतीय हस्तोद्योग पर कंपनी के शासन के परिणामों का परीक्षण कीजिये।

5. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। 16

अ) ग्रामीण अर्थव्यवस्था।

ब) ग्रामीण ऋण ग्रस्तता।

क) कंपनी की नीति का भारत के कापड उद्योग पर हूये दो परिणाम लिखीये।

ड) नगदी फसलें।

****